Total No. of Questions - 4] [Total Pages : 2

(2062)

9830

M.A. Examination

SANSKRIT

(काव्यशास्त्रम्)

Paper–XI

(Semester–III)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : नियमित छात्रों के अङ्क कोष्ठक के बाहर दिए गए हैं। पत्राचार-पाठ्यक्रम तथा प्राइवेट छात्रों के अङ्क कोष्ठक के अन्दर दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक ही स्थान पर दें।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सन्दर्भों की व्याख्या करें :

(क) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि।

(ख) सङ्केतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेववा।

(ग) अविवक्षितवाच्यो यस्तत्र वाच्यं भवेद् ध्वनौ।

अर्थान्तरे सङ्क्रमितमन्यन्तं वा तिरस्कृतम्।।

(घ) तदाभासा अनौचित्यप्रवर्तिता:।

तदाभासा रसाभासा भावाभासाश्च।। 2×10=20

(2×12½=25)

2. मम्मट के मतानुसार काव्य की व्यञ्जना शक्ति का लक्षण लिखकर उसके प्रमुख भेदों का वर्णन करें।

अथवा

मम्मटानुसार काव्य-प्रयोजन का विस्तार से विवेचन करें। 20(25)

3. मम्मट के अनुसार रस-स्वरूप का प्रतिपादन करें।

अथवा

गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य का मम्मट के अनुसार विस्तार से वर्णन करें। 20(25)

4. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखें :

(क) चार प्रकार के सङ्केतिक अर्थ।

(ख) भट्ट-लोल्लट का रस-सिद्धान्त।

(ग) लक्षण-लक्षणा।

(घ) चित्रकाव्य। 20(25)